महत्वपूर्ण एवं खास

नदी का जलस्तर बढ़ने से तेंदूपत्ता बंडल तैरने लगे

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले में लगातार विगत सप्ताह से हो रही बारिश से बारसूर वन परिक्षेत्र के तेंदूपत्ता सुखाने नदी किनारे संग्राहकों ने जमा कर रखा था, बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण तेंदूपत्ता बंडल नदी में तैरते चले गए। इससे कितना नुकसान हुआ इसकी जानकारी नही मिल पाई है। ज्ञात हो कि तेंदूपत्ता बंडल को नदी के किनारे रेत में सुखाया जाता है, मैदानों में तेंदूपत्ता बंडल सुखाने से दीमक लग जाता है, इसीलिए तेंदूपत्ता बंडल को नदी के किनारे रेत में सुखाया जाता है। वन रक्षक सीमा नाग ने बताया कि कोशलनार फड़ में लक्ष्य 69 हजार बंडल रखा गया था जिसे पूरा कर लिया गया है। संग्राहकों ने भुगतान प्राप्त कर लिया था।

सोशल मिडिया पर महिलओं तथा बच्चियों की अश्लील विडियों अपलोड करने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। नेवरा थाना पुलिस ने सोशल मिडिया पर महिलाओं तथा बच्चियों की अश्लील विडियों अपलोड करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा के रहने वाला नीरज लोहाटी उम्र 30 वर्ष ने अपने मोबाईल से सोशल मिडिया साईट इंस्टाग्राम पर महिलाओं एवं बच्चियों का आपत्तिजनक विडियो अपलोड किया था। जिसपर कार्यवाही करते हुए नेवरा थाना पुलिस ने युवक का पता लगाया तथा उसे गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस नसे आरोपी युवक के खिलाफ के आईटी.67, 67 बी के तहत अपराध दर्ज किया है।

सुचारु रूप से काम कर रहा है सीजी - टीका

❍कुछ समय के लिए उत्पन्न तकनीकी अवरोध दूर हुआ

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना से बचाव के लिए राज्य के 18 से 44 आयु के सभी वर्ग के लोगों के लिए सुविधाजनक तरीके से टीका लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शुरू किये गये सीजी टीका वेब पोर्टल में रविवार दिनांक 16 मई 2021 को अनुमान से अधिक लोगों के ऑनलाइन पंजीयन करने से कुछ समय के लिए तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गयी, जिसे ठीक कर लिया गया है। तकनीकी समस्या के चलते आम नागरिकों को टीकाकरण में होने वाली परेशानियों से बचाने के लिए पोर्टल की 24ङ्ग7 तर्ज में निरंतर निगरानी की जा रही है. सर्वर हेतु पर्याप्त मानव संसाधन की व्यवस्था की गयी है, फलस्वरूप अब यह पोर्टल सहीं ढंग से कार्य कर रहा है।

प्रेमी जोड़े को बंधक बनाकर युवती से गैंगरेप

बीजापुर (आरएनएस)। बीजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंदूर के टोला धरतीडाड़ स्थित मोटकीपहाड़ी पर दर्शन करने गए एक प्रेमी जोड़े को बंधक बनाकर तीन युवकों ने कुल्हाड़ी के बल पर युवती से गैंगरेप किया। सूचना पर पहुंची बीजपुर पुलिस की डायल 112 ने युगल जोड़ी को थाने लाकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई. पुलिस के अनुसार एक युवती अपने मंगेतर के साथ मोटकीपहाड़ी पर हनुमान का दर्शन करने शनिवार को गई थी. पूजा के बाद जब दोनों मंदिर के नीचे आए तो वहां पर तीन युवक थे. तीनो ने उन्हें पकड़ लिया और जान से मारने की धमकी देकर युवक के गर्दन पर कुल्हाड़ी लगा कर बंधक बना लिया.तीनों ने युवती को पास के जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया. बताया जाता है कि मंदिर के नीचे जंगली और सुनसान एरिया पड़ता है. तीनों आरोपी वहीं जंगल में लकड़ी काटने आए थे. वहां एकांत का लाभ लेकर तीनों ने इस घटना को अंजाम दिया. पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है.

जांजगीर जिला स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से सुविधा सम्पन्न जिला बनेगा: सीएम

» जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना तैयार करने के दिए निर्देश: कहा संसाधनों की नहीं होगी कोई कमी

» मुख्यमंत्री ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए जिले में किया 7 नवीन कोविड केयर सेंटरों का उद्घाटन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि आने वाले समय में जांजगीर-चांपा जिला स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सम्पन्न जिला बनेगा। इसके लिए राज्य शासन के स्तर से संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। जिला प्रशासन जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना तैयार कर शासन स्तर पर भेजे इस कार्ययोजना को मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास होगा कि जांजगीर-चांपा जिले के लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा जिले में कोविड-19 प्रबंधन के लिए 7 नवीन कोविड केयर सेंटरों का उद्घाटन किया। इन सेंटरों में कुल 508 बिस्तर उपलब्ध हैं। जिनमें 214 ऑक्सीजन बेड और 294 सामान्य बेड हैं।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, सांसद गुहराम अजगले, विधायक रामकुमार यादव, नारायण चन्देल और श्रीमती इंदू बंजारे, राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुन्दर दास सहित जिले के अनेक जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की जरूरत बताई थी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जांजगीर-चांपा जिले में साहस के साथ कोरोना की चुनौतियों का सामना किया। जिससे कोरोना का नियंत्रित करने में सफलता मिली है। उद्योगों से लेकर धार्मिक संस्थाओं तक सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई को लड़ा और एकजुटता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। इसके परिणाम स्वरूप ही जिले में कोरोना के उपचार के लिए संसाधनों का तेजी से विस्तार हो पाया है। चंद्रहासिनी ट्रस्ट चंद्रपुर से 13, दूधाधारी मठ शिवरीनारायण से 07 और अन्य संस्थाओं से 66 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर प्राप्त हुए हैं। छत्तीसगढ़ में भी बेहतर रणनीति से कोरोना के संक्रमण को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता मिली है। प्रदेश में संक्रमण की दर लगातार कम हो रही है। 15 मई की स्थिति में संक्रमण दर 30 से घटकर मात्र 11 प्रतिशत रह गई है। प्रदेश में टेस्टिंग सुविधाओं का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है। पहले जहां 30 से 40 हजार टेस्ट रोज किए जाते थें, वही अब प्रतिदिन 70 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। राज्य में ऑक्सीजन, दवाईयों और बिस्तरों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश अभी कोविड-19 की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। हमें तीसरी लहर की चुनौती का सफलता पूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयारी रखनी होगी। इसके लिए हमें अभी से जुटना होगा, आईसीयू बेड, सिटी स्केन सुविधा, वेंटिलेटर्स और चिकित्सा विशेषज्ञों की जरूरत होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए जो भी जरूरी होगा किया जाएगा। संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कोरोना संकट का सामना करने के लिए जो व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, उनकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान गरीबों की दिक्कतों का ध्यान रखने और उन्हें राहत पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कोरोना के लक्षण वाले 13.78 लाख लोगों को वितरित की गई दवा किट

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए 13 लाख 78 हजार 045 संदिग्ध मरीजों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाईयों की किट वितरित की गई है। विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण के लक्षण वाले व्यक्तियों के त्वरित इलाज और उन्हें गंभीर स्थिति में पहुंचने से बचाने के लिए मितानिनों एवं सर्विलेंस टीमों द्वारा दवाईयों की किट उपलब्ध कराई जा रही है। इस किट में आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, पैरासिटामॉल, विटामिन-सी और जिंक की टैबलेट शामिल हैं। कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों को दवा किट उपलब्ध कराने के अच्छे परिणाम आए हैं। इससे पूरे प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार को रोकने में मदद मिली है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश में अब तक (15 मई तक) कोरोना के लक्षण वाले पांच लाख 82 हजार 993 लोगों को दवा किट उपलब्ध कराई गई है। जांच केंद्रों और अस्पतालों में कोरोना जांच के लिए पहुंच रहे इसके लक्षण वाले पांच लाख 80 हजार 547 लोगों को भी दवा किट मुहैया कराया गया है। मितानिनों और सर्विलेंस टीमों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों व कन्टेनमेंट जोनों में एक्टिव सर्विलेंस के दौरान मिले दो लाख 14 हजार 505 व्यक्तियों को भी कोरोना के इलाज और बचाव के लिए दवाईयां दी गई हैं।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री भूपेश से दूरभाष पर की चर्चा

» मुख्यमंत्री ने कहा केन्द्र के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन कर रहा छत्तीसगढ़

» प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का दिया आश्वासन

रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दूरभाष पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रदेश में कोविड-19 के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघले ने प्रधानमंत्री से कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए उनके और केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का छत्तीसगढ़ द्वारा पूरा पालन किया जा रहा है। राज्य में टेस्टिंग की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। ट्रेसिंग में भी तेजी आई है। पॉजिटिविटी दर में निरंतर कमी आ रही है, मरीजों की संख्या घट रही है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिन इलाकों में अभी भी केस बढ़ रहे हैं वहां अतिरिक्त टीमें लगायी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी जानकारी दी कि प्रदेश में शासकीय और निजी कोविड अस्पतालों और केयर सेंटरों के बेडों की पूरी जानकारी को आनलाईन किया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति आसानी से इनका लाभ ले सके। मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री का राज्य में वैक्सीनेशन की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि चूकि वर्तमान में आक्सीजन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है कि अतः 80 प्रतिशत अस्पतालों को और 20 प्रतिशत छोटे-मोटे उद्योगों को उपलब्ध कराने की मंजूरी दी जाए ताकि ये उद्योग भी अपना काम प्रारंभ कर सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उक्त दोनो मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया है।

छत्तीसगढ़ तक रोहिंग्या मुसलमानों की आमद और उन्हें यहां बसाने की चल रही सियासी कोशिशें चिंता का विषय - अनुराग सिंहदेव

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ तक रोहिंग्या मुसलमानों की आमद और उन्हें यहाँ बसाने की चल रही सियासी कोशिशों पर गहरी चिंता जताई है। सिंहदेव ने हाल ही अंबिकापुर नगर निगम की सामान्य सभा में सत्तापक्ष की ओर से कुछ लोगों को स्थानीय नागरिक के तौर पर मान्यता देने जाति और निवास प्रमाण पत्र बनाने के लाए गए प्रस्ताव के मद्देनज़र आशंका जताई कि प्रस्तावित लोगों में कुछ लोगों के रोहिंग्या मुसलमान होने की बात सामने आई है, जिसकी जाँच की जानी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सिंहदेव ने कहा कि निगम की सामान्य सभा में 20 लोगों के लिए पिछड़ा वर्ग जाति और निवास प्रमाण पत्र बनाने के आए प्रस्ताव में 15 नाम मुस्लिम समुदाय के थे। इस आशंका से इंक़ार नहीं किया जा सकता कि पिछले कई वर्षों से अंबिकापुर में अवैध रूप से रह रहे ये मुस्लिम बांलादेशी रोहिंग्या मुसलमान हैं, जिनमें से 12 लोग मुस्लिम जुलाहा जाति के बताए गए हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में माना जाता है। सिंहदेव ने कहा कि यह सरकारी एजेंसियों की विफलता और नेताओं के वोट बैंक की सबसे गंदी और भयावह सियासत का नमूना है। नगर निगम में पार्षद आलोक दुबे के नेतृत्व में भाजपा ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है और साफ़ लफ़्ज़ों में कहा है कि कांग्रेस के लोग वोट बैंक की राजनीति के चलते यहाँ अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को जाति और निवास प्रमाण पत्र देकर उन्हें यहाँ स्थायी रूप से बसाने की यह घटिया राजनीति करके छत्तीसगढ़ को भी अशांत प्रदेश बनाने पर आमादा नज़र आ रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सिंहदेव ने कहा कि रोहिग्याओं को बसाने के लिए कांग्रेस नगर निगम में अपने बहुमत का खुला दुरुपयोग कर यह प्रस्ताव पारित कराना चाहती है, लेकिन भाजपा अंबिकापुर में ऐसी किसी भी कोशिश को क़ामयाब नहीं होने देगी। सिंहदेव ने इस प्रस्ताव के परिप्रेक्ष्य में प्रशासन से टीम गठित कर दस्तावेज़ों की बारीकी से जाँच कराने और उक्त प्रस्ताव के साथ उनके ज़मीन संबंधी कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं पाए जाने पर प्रस्ताव लाने प्रामाणित करने वाले कांग्रेस नेता पर आपराधिक मामला क़ायम करने की मांग की है।

राज्य में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा के साथ अंधड़ व बिजली गिरने की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की वर्षा के साथ अंधड़ और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जतायी है।

स्थानीय मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में आज अधिकतम तापमान में रायपुर संभाग में उल्लेखनीय गिरावट तथा शेष संभागों में विशेष परिवर्तन नहीं हुए। वहीं न्यूनतम तापमान में रायपुर संभाग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा शेष संभागों में विशेष परिवर्तन नहीं हुए। हालांकि आज भी कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। प्रदेश में आज सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री दुर्ग में दर्ज किया गया, वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री पेंड्रा रोड में दर्ज किया गया। राजधानी रायपुर में आज अधिकतम तापमान 39 डिग्री एवं न्यूनतम 28.4 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने प्रदेश में 24 घंटे के दौरान भी एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की वर्षा तथा अंधड़ और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जतायी है।

कोरोना महामारी से लड़ने और प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए गृह मंत्री ने साहू समाज से किया आग्रह

» प्रदेश स्तरीय साहू समाज के वेबिनार में शामिल हुए गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना महामारी से लड़ने और कोरोना प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने साहू समाज से आग्रह किया है।

गृहमंत्री साहू आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश स्तरीय साहू समाज के पदाधिकारियों की वेबिनार में शामिल हुए। उन्होंने समाजिक पदाधिकारियों से कहा कि हमें पिछले वर्ष की अनुभव के आधार पर इस वर्ष भी कोरोना महामारी से लड़ाई लड़नी है और जरूरतमंद लोगों की मदद करनी है। उन्होंने समाज प्रमुखों से कहा कि वे कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अपने जिलों में अधिक से अधिक लोगों को मास्क वितरण करें और वेक्सिनेशन के लिए जागरूक करें। उन्होंने जरूरतमंदों को सूखा राशन वितरण करने का भी आग्रह किया। गृह मंत्री ने कहा कि हमारे सभी सामाजिक साथी पूरे प्रदेश में समन्वय बनाकर मानवसेवा का कार्य करते रहें। हर तहसील एवं परिक्षेत्र में कोरोना से दिवंगत हुए लोगों के परिजनों की हर संभव सहायता मुहैया कराई जाए।

गृह मंत्री ने साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष हिरवानी एवं उनकी टीम और चिकित्सा प्रकोष्ठ के सभी साथियों को कोरोना काल में किये गए सेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने समाज के उन सभी लोगों को जो कोरोना काल में मानव सेवा के लिए तन-मन-धन से लगे हुए उनकी सराहना की।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कोविड के प्रबंधन के लिए ग्रामीण स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना

» ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे कोविड केयर सेंटर, हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल

» ग्राम पंचायत के द्वारा निभाई जाएगी जागरूकता की ज़िम्मेदारी

रायपुर (आरएनएस)। देश में कोविड-19 के प्रसार के प्रबन्धन के लिए अब कोविड ग्रामीण स्तर पर केयर सेंटर, हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाए जाएंगे, जो पूर्णतया कोविड समर्पित होंगे। शुरुआत में कोविड के ज़्यादातर केस शहरों में देखने को मिल रहे थे, लेकिन धीरे धीरे इसका ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी प्रसार देखा जा रहा है। शहरी, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कोविड-19 मामलों के बड़े प्रसार के साथ, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हैकि इन क्षेत्रों में कोविड आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो। इसीलिए अब ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर, हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल बनाने की योजना बनाई जा रही है।

वर्तमान में ग्रामीण स्तर पर फ्रंटलाइन वर्कर के द्वारा सर्दी जुकाम, खांसी, बुखार इत्यादि लक्षण मिलने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही है, जहां उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है।किट के साथ दिए जा रहे पर्चे में दवाइयों के सेवन का तरीका व दिन लिखा हुआ है, ताकि लोगों को दवा के सेवन में कोई दिक्कत न हो।मेडिकल किट के साथ लक्षणयुक्त व्यक्ति को कोविड की जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा है, साथ ही नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी करायी जा रही है।

ग्रामीण स्तर पर बनाए जाएंगे कोविड केयर सेंटर, हैल्थ सेंटर और हॉस्पिटल ग्रामीण स्तर पर बनाई जाने वाले इन केन्द्रों की रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड केयर सेंटर 30 बेड का होगा, जहां पर बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले कोविड उपचाराधीन को रखा जाएगा। यह एक तरह का आइसोलेशन वार्ड होगा, जिन गाँव के घरों में आइसोलाशन की व्यवस्था नहीं होगी, उन मरीजों को यहाँ रखा जाएगा। यहाँ उपचाराधीन लोगों की सांस संबंधी समस्या और ऑक्सिजन स्तर की निरंतर मोनिट्रिंग की जाएगी। यह केंद्र स्कूल, कम्यूनिटी हाल, विवाह गृह, पंचायत भवन आदि उन जगह पर बनाया जायेगा, जहां हवा के आवागमन, स्वच्छता और स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था हो।

इन कोविड केयर सेंटर पर 24 घंटे पर्याप्त ऑक्सिजन उपलब्धता के साथ एक बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस भी होनी चाहिए जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों को उचित उपचार के लिए किसी दूसरे उच्च स्वास्थ्य केंद्र पर रिफ़र के लिए प्रयोग में लाया जा सके।